मॉडल प्रश्न-पत्र (दोहराने के लिए)

ऐम. बी. डी. मॉडल प्रश्न-पत्र 1

कक्षा—बारहवीं

विषय—हिंदी (इलैक्टिव)

निर्धारित समय : तीन घंटे **अधिकतम अंक : 80**

खंड—'क'

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—** **11**

कर्म के मार्ग पर आनंदपूर्वक चलता हुआ उत्साही मनुष्य यदि अंतिम फल तक न पहुँचे तो भी उसकी दशा कर्म न करनेवाली के अपेक्षा अधिकतर अवस्थाओं में अच्छी रहेगी, क्योंकि एक तो कर्मकाल में उसका जीवन बीता, वह संतोष या आनंद में बीता, उसके उपरांत फल की अप्राप्ति पर भी उसे यह पछतावा न रहा कि मैंने प्रयत्न नहीं किया। फल पहले से कोई बना-बनाया पदार्थ नहीं होता। अनुकूलन प्रयत्न-कर्म के अनुसार, उसके एक-एक अंग की योजना होती है। बुद्धि द्वारा पूर्ण रूप से निश्चित की हुई व्यापार परंपरा का नाम ही प्रयत्न है। किसी मनुष्य के घर का कोई प्राणी बीमार है। यह वैद्यों के यहाँ से जब तक औषधि ला-लाकर रोगी को देता जाता है और इधर-उधर दौड़-धूप करता जाता है तब तक उसके चित्त में जो संतोष रहता है—प्रत्येक नए उपचार के साथ जो आनंद का उन्मेष होता रहता है यह उसे कदापि न प्राप्त होता, यदि वह रोता हुआ बैठा रहता। प्रयत्न की अवस्था में उसके जीवन का जितना अंश संतोष, आशा और उत्साह में बीता, अप्रयत्न की दशा में उतना ही अंश केवल शोक और दुख में कटता। इसके अतिरिक्त रोगी के न अच्छे होने की दशा में भी वह आत्मग्लानि के उस कठोर दुख से बचा रहेगा जो उसे जीवनभर यह सोच-सोचकर होता कि मैंने पूरा प्रयत्न नहीं किया।

कर्म में आनंद अनुभव करनेवालों का ही नाम कर्मण्य है। धर्म और उदारता के उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनंद भरा रहता है कि कर्ता को वे कर्म ही फलस्वरूप लगते हैं। अत्याचार का दमन और क्लेश का शमन करते हुए चित्त में जो उल्लास और पुष्टि होती है वही लोकोपकारी कर्म-वीर का सच्चा सुख है। उसके लिए सुख तब तक के लिए रुका नहीं रहता जब तक कि फल प्राप्त न हो जाए, बल्कि उसी समय से थोड़ा-थोड़ा करके मिलने लगता है जब से वह कर्म की ओर हाथ बढ़ाता है।

कभी-कभी आनंद का मूल विषय तो कुछ और रहता है, पर उस आनंद के कारण एक ऐसी स्फूर्ति उत्पन्न होती है जो बहुत-से कामों की ओर हर्ष के साथ अग्रसर रहती है। इसी प्रसन्नता और तत्परता को देख लोग कहते हैं कि वे काम बड़े उत्साह से किए जा रहे हैं। यदि किसी मनुष्य को बहुत-सा लाभ हो जाता है या उसकी कोई बड़ी भारी कामना पूर्ण हो जाती है तो जो काम उसके सामने आते हैं उन सबको वह बड़े हर्ष और तत्परता के साथ करता है। उसके इस हर्ष और तत्परता को भी लोग उत्साह ही कहते हैं।

(क) अवतरण को उचित शीर्षक दीजिए। **1**

(ख) कर्म करनेवाले की दशा कर्म न करनेवाले से श्रेष्ठ कैसे है? **2**

(ग) कर्मण्य से क्या तात्पर्य है? **2**

(घ) फल क्या है? **2**

(ङ) आनंद कैसे और कब प्राप्त होता है? **2**

(च) उत्साह किसे कहते हैं? **2**

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—** **$1 \times 5 = 5$**

पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले,
पुस्तकों में है नहीं छापी गई इसकी कहानी

9-Model Practice Paper.indd 1 4/6/2018 5:53:16 PM

हाल करता ज्ञान होता है न औरों की जबानी
अनगिनत राही गए इस राह से, उनका पता क्या,
पर गए कुछ लोग इस पर छोड़ पैरों की निशानी,
यह निशानी मूक होकर भी बहुत कुछ बोलती है,
खोल इसका अर्थ पंथी पंथ का अनुमान कर ले,
पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले।

(i) चलने से पहले पथिक को क्या और क्यों चेतावनी दी गई है?
(ii) कौन पथ पर अपनी निशानियाँ छोड़ जाते हैं?
(iii) कवि ने पथिक को किसका अर्थ खोलने हेतु कहा है?
(iv) भाव स्पष्ट कीजिए—'अनगिनत राही गए इस राह से, उनका पता क्या?'
(v) इस काव्यांश का शीर्षक लिखिए।

खंड—'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए— 8

(i) भीड़ भरी बस की यात्रा का अनुभव
(ii) मेरा देश महान
(iii) राजनीति में घोटाले
(iv) शिक्षा का व्यवसायीकरण

4. दिल्ली नगर निगम के अध्यक्ष को एक आवेदन-पत्र लिखिए जिसमें सड़कों की दुर्दशा का वर्णन किया गया हो। 5

अथवा

किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर सरकार से विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों के लीक हो जाने के विरुद्ध कार्रवाई करने का अनुरोध करें।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्यों में दीजिए— $1 \times 4 = 4$

(क) पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं?
(ख) संपादकीय क्या है?
(ग) 'फोन इन' से क्या तात्पर्य है?
(घ) 'डेस्क' किसे कहते हैं?

6. टेलीविज़न का जनसंचार माध्यम में क्या महत्व है? टेलीविज़न समाचार की भाषा और शैली के लिए अनिवार्य विशेषताएँ लिखिए। 3

अथवा

समाचार-लेखन में साक्षात्कार की क्या भूमिका है?

खंड—'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 6

अरुण यह मधुमय देश हमारा।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।
सरस तामरस गर्भ विभा पर-नाच रही तरुशिखा मनोहर।
छिटका जीवन हरियाली पर-मंगल कुंकुम सारा।

अथवा

कबहुँ प्रथम ज्यों जाइ जगावति कहि प्रिय बचन सवारे।
'उठहु तात! बलि मातु बदन पर, अनुज सखा सब द्वारे'॥
कबहुँ कहति यों 'बड़ी बारभइ जाहु भूप पहँ, भैया।
बंधु बोलि जेंइय जो भावै गई निछावरि मैया।'

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2 + 2 = 4

(क) माघ महीने में नायिका की दशा का जायसी ने कैसे वर्णन किया है?

(ख) 'देवसेना का गीत' कविता में कवि ने किसे और क्यों बावली कहा है?

(ग) सरोज का विवाह अन्य विवाहों से भिन्न कैसे था?

9. निम्नलिखित पंक्तियों में से किन्हीं दो का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए— 3 + 3 = 6

(क) बहुत दिनान को अवधि आसपास परे,
खरे अरबरनि भरे हैं उठि जान को।
कहि कहि आवन छबीले मनभावन को,
गहि गहि राखति ही दै दै सनमान को॥
झूठी बतियानि की पन्यानि तें उदास ह्वै कै,
अब ना धिरत घन आनँद निदान को।
अधर लगे हैं आनि करि कै पयान प्रान,
चाहत चलन ये सँदेसो लै सुजान को॥

(ख) सिर झुकाए निराश लौटते हैं हम
कि सत्य अंत तक हमसे कुछ नहीं बोला
हाँ हमने उसके आकार से निकलता वह प्रकाश-पुंज देखा था
हम तक आता हुआ
वह हममें विलीन हुआ या हमसे होता हुआ आगे बढ़ गया।

(ग) यह तन जारौं छार कै, कहौं कि पवन उड़ाउ।
मकु तेहि मारग होइ परौं कंत धरै जहँ पाउ॥

10. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 5

(क) प्रजापति की अपनी भूमिका भूलकर कवि दर्पण दिखानेवाला ही रह जाता है। वह ऐसा नकलची बन जाता है जिसकी अपनी कोई असलियत न हो। कवि का व्यक्तित्व पूरे वेग से तभी निखरता है जब वह समर्थ रूप से परिवर्तन चाहनेवाली जनता के आगे कवि-पुरोहित की तरह बढ़ता है। इसी परंपरा को अपनाने से हिंदी साहित्य उन्नत और समृद्ध होकर हमारे जातीय सम्मान की रक्षा कर सकेगा।

(ख) कुटज के ये सुंदर फूल बहुत बुरे तो नहीं हैं। जो कालिदास के काम आया हो उसे ज्यादा इज़्ज़त मिलनी चाहिए। मिली कम है। पर इज़्ज़त तो नसीब की बात है। रहीम को मैं बड़े आदर के साथ स्मरण करता हूँ। दरियादिल आदमी थे, पाया सो लुटाया। लेकिन दुनिया है कि मतलब से मतलब है, रस चूस लेती है, छिलका और गुठली फेंक देती है। सुना है, रस चूस लेने के बाद रहीम को भी फेंक दिया गया था। एक बादशाह ने आदर के साथ बुलाया, दूसरे ने फेंक दिया! हुआ ही करता है। इससे रहीम का मोल घट नहीं जाता।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 3 × 2 = 6

(क) 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ में लेखक ने स्वातंत्र्योत्तर भारत की सबसे बड़ी ट्रेजेडी किसे और क्यों माना है?

(ख) गंगापुत्र के लिए गंगा मैया ही जीविका और जीवन कैसे है?

(ग) रामचंद्र शुक्ल हिंदी साहित्य के प्रति कैसे आकर्षित हुए?

12. ममता कालिया अथवा भीष्म साहनी का साहित्यिक परिचय दीजिए। **5**

अथवा

घनानंद अथवा जायसी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

13. 'पहाड़ों में जीवन अत्यंत कठिन होता है' आरोहण पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **4**

अथवा

''तो हम सौ लाख बार बनाएँगे'' इस कथन में सूरदास के चरित्र का विवेचन कीजिए।

14. अंतराल भाग-दो के आधार पर निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए— **$4 \times 2 = 8$**

(क) प्राचीनकाल के शासकों ने मालवा में पानी के रख-रखाव के लिए क्या प्रबंध किए थे?

(ख) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में लेखक को कौन-सी स्मृति अजीब मृत्यु बोध कराती है और क्यों?

(ग) 'अपना मालवा' पाठ में चित्रित समस्या पर विचार कीजिए।

ऐम.बी.डी. मॉडल प्रश्न-पत्र 2

कक्षा—बारहवीं

विषय—हिंदी (इलैक्टिव)

निर्धारित समय : तीन घंटे **अधिकतम अंक : 80**

खंड—'क'

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए— **11**

उन सामाजिक तथा सरकारी नियमों का ज्ञान जिनके आधार पर राजकीय कार्य चला करता है, राजनीति ज्ञान कहा जाता है। व्यापक अर्थ में इन कार्यों से संबंधित इतर ज्ञान भी राजनीति की सीमा में आते हैं। प्रजातंत्र के युग में तो राजनीति का क्षेत्र और भी बढ़ गया है। आज हर व्यक्ति का संबंध किसी-न-किसी रूप में शासन से हो गया है। हर व्यक्ति को अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है। हर एक प्रत्याशी अपना प्रचार करता है। जनता सबकी बातें सुनती है तथा उन्हीं में से अपना प्रतिनिधि चुनती है। विद्यार्थी अपनी शिक्षा के लिए बड़े नगरों तथा कस्बों में जाते हैं। यहाँ आए दिन किसी-न-किसी पार्टी के नेता आते-जाते हैं तथा उनके भाषण भी होते हैं। इन भाषणों में विद्यार्थियों की संख्या कम नहीं रहती। भाषणों का उनकी अल्प-बुद्धि पर प्रभाव पड़ता है। उनकी भावुकता के कारण इन भाषणों का रंग गहरा हो जाता है। परिणाम यह होता है कि वे अध्ययन के स्थान पर राजनीतिक गतिविधियों में अधिक रुचि लेने लगते हैं। राजनीति का ज्ञान प्राप्ति करने के लिए उन्हें इसे भी एक पाठ्य-विषय के समान समझना चाहिए तथा इस पर सामान्य रूप से चिंतन-मनन करना चाहिए। उन्हें अपनी अवस्था के अनुसार देश-विदेश में घटने वाली घटनाओं का विश्लेषण करना चाहिए। जिज्ञासु भाव से तर्क-वितर्क भी करना चाहिए ताकि उसका ज्ञान विस्तृत हो। उन्हें अनेक प्रकार के आंदोलनों पर विचार करना चाहिए तथा पाठ्यक्रम के अध्ययन से बचे समय का उपयोग सामान्य ज्ञान प्राप्त करने के लिए करना चाहिए। विश्व में प्रचलित विभिन्न विचारधाराओं का विश्लेषणपूर्वक अध्ययन करना चाहिए तथा अपने और समाज के लिए उपयोगी विचारधारा का परीक्षण और चुनाव करना चाहिए। उनका यह भी कर्तव्य है कि वे राजनीति के सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक पक्षों को ठीक ढंग से जानें। उनको जाने बिना उनके जीवन में पूर्णता नहीं आ सकती। उनका ज्ञान ठोस तथा परिस्थिति के अनुकूल चलनेवाला हो। उन्हें राजनीतिक में कर्तव्य और अधिकारों का समुचित ज्ञान प्राप्त करना चाहिए, जिसे वे भावी जीवन में कार्यान्वित कर सकें न कि क्रियात्मक राजनीति में पथ-भ्रष्ट हों।

(क) राजनीति का ज्ञान किसे कहते हैं? **1**

(ख) विद्यार्थियों पर नेताओं के भाषणों का क्या प्रभाव होता है? **2**

(ग) विद्यार्थियों के जीवन में पूर्णता कैसे आ सकती है? **2**

(घ) प्रजातंत्र में राजनीति की क्या स्थिति होती है? **2**

(ङ) इस अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए। **2**

(च) प्रत्याशी क्या करता है? **2**

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1 × 5 = 5**

देखकर बाधा विविध, बहु विघ्न घबराते नहीं।
रह भरोसे भाग्य के दुख भोग पछताते नहीं॥
काम कितना ही कठिन हो किंतु उकताते नहीं।
भीड़ में चंचल बने जो वीर दिखलाते नहीं॥
हो गए कि आन में उनके बुरे दिन भी भले।
सब जगह सब काल में वे ही मिले फूले फल॥
काम को आरंभ करके यों नहीं जो छोड़ते।
सामना करके नहीं जो भूलकर मुँह मोड़ते॥
जो गगन के फूल बातों से वृथा नहिं तोड़ते।
संपदा मन से करोड़ों की नहीं जो जोड़ते॥

9-Model Practice Paper.indd 5 4/6/2018 5:53:16 PM

बन गया हीरा उन्हीं के हाथ से कार्बन।
काँच को करके दिखा देते हैं वे उज्ज्वल रतन॥

(i) कैसा व्यक्ति असफल होकर दुख भोगता है?
(ii) किन व्यक्तियों के बुरे दिन भी भले दिन बन जाते हैं?
(iii) 'गगन के फूल बातों से तोड़ने' का आशय स्पष्ट कीजिए।
(iv) किन लोगों के हाथ से काँच उज्ज्वल रत्न बन जाता है?
(v) इस कविता का शीर्षक लिखिए।

खंड—'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए— 8

(क) महिलाओं के प्रति अपराधों में वृद्धि : कारण और निदान
(ख) मोबाइल क्रांति
(ग) दिन-प्रतिदिन बढ़ता प्रदूषण
(घ) जीवन में खेलों का महत्व।

4. पुलिस-विभाग की लापरवाही के कारण आपके क्षेत्र में चोरी की घटनाएँ बढ़ गई हैं। इस ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने क्षेत्र में बस सुविधा प्रदान करने के लिए परिवहन विभाग को पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए— $1 \times 4 = 4$

(क) जनसंचार के किन्हीं दो प्रमुख माध्यमों के नाम लिखिए।
(ख) विशेष लेखन क्या है?
(ग) 'बीट रिपोर्टिंग' किसे कहते हैं?
(घ) वर्तमान छापेखाने का आविष्कारक कौन था?

6. समाचार कैसे लिखा जाता है? उलटा पिरामिड शैली क्या है? स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

इंटरनेट पत्रकारिता से क्या अभिप्राय है? इसके उद्भव और विकास का परिचय दीजिए।

खंड—'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 6

बिन पानहिन्ह पयादेहि पाएँ। संकरु साखि रहेउँ ऐहि धाएँ॥
बहुरि निहारि निषाद सनेहू। कुलिस कठिन उर भयउ न बेहू॥
अब सबु आँखिन्ह देखेऊँ आई। जिअत जीव जड़ सबइ सहाई॥
जिन्हहिं निरखि मग साँपिनि बीछी। तजहिं विषम बिषु तापस तीछी॥

अथवा

बरसाती आँखों के बादल, बनते जहाँ भरे करुणा जल।
लहरें टकराती अनंत की-पाकर जहाँ किनारा॥

हेम कुंभ ले उषा सवेरे-भरती ढुलकाती सुख मेरे।
मदिर ऊँघते रहते जब-जग कर रजनी भर तारा॥

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 + 2 = 4

(क) 'गीत गाने दो मुझे' कविता में निहित संदेश स्पष्ट कीजिए।

(ख) बनारस में वसंत का आगमन कैसे होता है?

(ग) कवि ने किस प्रकार की पुकार से 'कान खोली है' की बात कही है?

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं दो का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए— 3 + 3 = 6

(क) कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो—
खिली हुई हवा आई, फिरकी-सी आई, चली गई।

(ख) पूरन प्रेम को मंत्र महा पन, जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ।
ताही के चारु चरित्र बिचित्रनि यों पचिकै रचि राखि बिसेख्यौ।

(ग) टूटहिं बुंद परहिं जस ओला। बिरह पवन होइ मारै झोला॥
केहिक सिंगार को पहिर पटोरा। गियँ नहि हार रही होइ डोरा॥

10. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 5

(क) 'रूप व्यक्ति-सत्य है, नाम समाज-सत्य। नाम उस पद को कहते हैं जिस पर समाज की मुहर लगी होती है। आधुनिक शिक्षित लोग जिसे 'सोशल सेक्शन' कहा करते हैं। मेरा मन मन-नाम के लिए व्याकुल है, समाज द्वारा स्वीकृत, इतिहास द्वारा प्रमाणित, समष्टि-मानव की चित्त-गंगा में स्नात।'

(ख) भीड़ लड़के ने दिल्ली में भी देखी थी, बल्कि रोज़ देखता था। दफ़्तर जाती भीड़, खरीद-फ़रोख्त करती भीड़, तमाशा करती भीड़, क्रॉस करती भीड़। लेकिन इस भीड़ का अंदाज़ निराला था। इस भीड़ में एकसूत्रता थी। न यहाँ जाति का महत्व था, न भाषा का, महत्व उद्देश्य का था और वह सबका समान था, जीवन के प्रति कल्याण की कामना। इस भीड़ में दौड़ नहीं थी, अतिक्रमण नहीं था।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 3 × 2 = 6

(क) 'प्रमाण से अधिक महत्वपूर्ण है विश्वास'—कहानी के आधार पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) औद्योगीकरण ने पर्यावरण का संकट पैदा कर दिया है। क्यों और कैसे?

(ग) साहित्य समाज को बदलने की शक्ति रखता है। स्पष्ट कीजिए।

12. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' अथवा विद्यापति का साहित्यिक परिचय दीजिए। 5

अथवा

'असगर वजाहत' अथवा 'हज़ारी प्रसाद द्विवेदी' का साहित्यिक परिचय दीजिए।

13. 'थोड़ी देर में रही-सही आग भी बुझ गई। कुशल यह हुई कि और किसी के घर में आग न लगी। सब लोग इस दुर्घटना पर आलोचनाएँ करते हुए विदा हुए। सन्नाटा छा गया।' 'सूरदास की झोंपड़ी' के इस कथन के आलोक में उत्तर दें— 4

(क) किसी झोंपड़-पट्टी में लगी आग के दृश्य का वर्णन करें।

(ख) झोंपड़-पट्टी के निवासियों की क्या दशा थी?

अथवा

शैल और भूप ने मिलकर किस तरह पहाड़ पर अपनी मेहनत से नई जिंदगी की कहानी लिखी?

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर अंतराल (भाग-दो) के आधार पर दीजिए— 4 × 2 = 8

(क) लेखक को क्यों लगता है कि हम जिसे विकास की औद्योगिक सभ्यता कहते हैं वह उजाड़ की अपसभ्यता है? स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'आरोहण' कहानी में 'पत्थर की जाति' से लेखक का क्या आशय है? उसके विभिन्न प्रकारों के विषय में लिखिए।

(ग) कोइयाँ क्या हैं? इसकी क्या विशेषताएँ हैं?

ऐम.बी.डी. मॉडल प्रश्न-पत्र 3

कक्षा—बारहवीं

विषय—हिंदी (इलैक्टिव)

निर्धारित समय : तीन घंटे **अधिकतम अंक : 80**

खंड—'क'

1. नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **11**

श्रद्धा को पारिभाषित करते हुए लेखक ने कहा है कि जब किसी मनुष्य में जनसाधारण से विशेष गुण और शक्ति का विकास देख उसके संबंध में जो एक स्थायी आनंद-पद्धति हृदय में स्थापित हो जाती है, उसे श्रद्धा कहते हैं। श्रद्धा के मूल में सदाचार एवं विश्व कल्याण की भावना विद्यमान रहती है। श्रद्धा में श्रद्धालु अपने श्रद्धेय की निंदा सहन नहीं कर सकता। आचार्य शुक्ल ने श्रद्धा और प्रेम में अंतर किया है। उनका मत है कि श्रद्धा का व्यापार स्थल विस्तृत है जबकि प्रेम का एकांत। श्रद्धालु की यह कामना होती है कि उसके श्रद्धेय के प्रति श्रद्धा रखनेवालों की संख्या अधिक-से-अधिक हो जबकि प्रेमी अपने प्रिय के प्रेम को केवल अपने तक सीमित रखना चाहता है। श्रद्धा में श्रद्धालु संसार को अपने से जोड़े हुए अपने श्रद्धेय का चिंतन करता है लेकिन प्रेमी अपने प्रिय का चिंतन संसार को भुलाकर बंद आँखों से करता है। यही कारण है कि प्रेम स्वप्न है और श्रद्धा जागरण। प्रेम का आधार कल्पना होती है और यह अनुमान या काल्पनिक सौंदर्य से उत्पन्न होता है। परंतु श्रद्धा का आधार प्रत्यक्ष गुण, प्रयत्न या कर्म होता है। श्रद्धालु अपने श्रद्धेय के विशिष्ट गुणों और कर्मों से प्रभावित होकर ही उसके प्रति श्रद्धा-भाव रखता है। प्रेम में प्रिय और प्रेमी के बीच कोई मध्यस्थ नहीं होता किंतु श्रद्धा में श्रद्धालु और श्रद्धेय के बीच श्रद्धेय के कर्म मध्यस्थ की भूमिका निभाते हैं जो श्रद्धालु को श्रद्धेय के प्रति आकर्षित करते हैं और श्रद्धालु उन विशिष्ट गुणों अथवा कर्मों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करता है। श्रद्धा में श्रद्धेय के कर्मों को महत्व दिया जाता है, रूप को नहीं पर प्रेम में कर्म गौण हो जाता है और रूप को प्रधानता दी जाती है।

(क) अवतरण का उचित शीर्षक लिखिए। **1**

(ख) श्रद्धा किसे कहते हैं? **2**

(ग) श्रद्धा के मूल में कौन-सी भावना रहती है? **2**

(घ) श्रद्धालु की क्या कामना होती है और क्यों? **2**

(ङ) प्रेम में प्रिय और प्रेमी की क्या स्थिति होती है? **2**

(च) प्रेम का आधार क्या है? **2**

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **1 × 5 = 5**

जैसे नदी में
सिर्फ़ पानी नहीं बहता
फूल-पत्ते, लकड़ी, नावें,
दीप और
मुर्दे तक बहते हैं;
इसी तरह मन में
सिर्फ़ विचार नहीं रहते

सुगंध और प्रकाश
विश्वास और उदासी
सब रहते हैं एक साथ
वहाँ बहाव का आधार पानी है
यहाँ प्राण और वाणी है
पानी कहीं थम न जाए
धारा सूखने न पाए

वाणी चूकने न पाए
तो सब ठिकाने लग जाते हैं—
फूल पत्ते लकड़ी
नावें दीप और शरीर
सुगंध और प्रकाश
विश्वास और
इच्छाएँ अधीर।

(i) कविता में नदी और मन की तुलना क्यों की गई है?

(ii) मन के संदर्भ में 'सुगंध और प्रकाश' तथा 'विश्वास' और 'उदासी' शब्दों से कवि का क्या आशय है?

(iii) 'ठिकाने लग जाना' से क्या तात्पर्य है? मन और नदी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

9-Model Practice Paper.indd 8 4/6/2018 5:53:17 PM

(iv) भाव स्पष्ट कीजिए—'धारा सूखने न पाए, वाणी चूकने न पाए'।

(v) नदी में क्या-क्या बह जाता है?

खंड—'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए— 8

(क) इंटरनेट की उपयोगिता

(ख) आतंकवाद और भारत

(ग) राष्ट्रभाषा हिंदी

(घ) मोबाइल क्रांति अथवा भ्रांति

4. स्वास्थ्य-विभाग के लापरवाह रवैये के कारण खाद्य-पदार्थों में मिलावट की समस्या गंभीर होती जा रही है। विभाग के निदेशक के नाम पत्र लिखकर इस समस्या की ओर उनका ध्यान आकर्षित कीजिए। 5

अथवा

महँगाई से परेशानी का वर्णन करते हुए इसके समाधान पर सुझाव देते हुए संपादक, दैनिक हिंदुस्तान, नई दिल्ली को पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्यों में दीजिए— $1 \times 4 = 4$

(क) 'ब्रेकिंग-न्यूज़' क्या होती है?

(ख) फ़ीचर किसे कहते हैं?

(ग) 'लाइव' से क्या तात्पर्य है?

(घ) फ्रीलांसर पत्रकार कौन होता है?

6. समाचार-लेखन में साक्षात्कार की क्या भूमिका होती है? 3

अथवा

पत्रकारीय लेखन क्या है? अच्छे लेखन के लिए ध्यान में रखी जानेवाली महत्वपूर्ण बातों को स्पष्ट कीजिए।

खंड—'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 6

यह वह विश्वास, नहीं जो अपनी लघुता में भी काँपा,
वह पीड़ा, जिस की गहराई को स्वयं उसी ने नापा;
कुत्सा, अपमान, अवज्ञा के धुँधआते कड़ुवे तम में
यह सदा-द्रवित, चिर-जागरूक, अनुरक्त-नेत्र।

अथवा

भूपति मरन पेम पनु राखी। जननी कुमति जगतु सबु साखी॥
देखि न जाहिं बिकल महतारीं। जरहिं दुसह जर पुर नर नारीं॥
महीं सकल अनरथ कर मूला। सो सुनि समुझि सहिउँ सब सूला॥
सुनि बन गवनु कीन्ह रघुनाथा। करि मुनि बेष लखन सिय साथा॥
बिन पानहिन्ह पयादेहि पाएँ। संकरु साखि रहेउँ ऐहि घाएँ॥
बहुरि निहारि निषाद सनेहू। कुलिस कठिन उर भयउ न बेहू॥

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 + 2 = 4

(क) 'सेह पिरित अनुराग बखानिअ तिल-तिल नूतन होए' से कवि विद्यापति का क्या आशय है?

(ख) बनारस में धीरे-धीरे क्या-क्या होता है? 'धीरे-धीरे' से कवि केदारनाथ सिंह इस शहर के बारे में क्या कहना चाहता है?

(ग) सभा में भरत का शरीर रोमांचित क्यों हो उठा?

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं दो का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए— 3 + 3 = 6

(क) तू खुली एक-उच्छ्वास-संग,
विश्वास-स्तब्ध बँध अंग-अंग
नत नयनों से आलोक उतर
काँपा अधरों पर थर-थर-थर।

(ख) आनाकानी आरसी निहारिबो करौगे कौलौं?
कहा मो चकित दसा त्यों न दीठि डोलिहै?
मौन हू सौं देखिहौं कितेक पन पालिहौ जु,
कूकभरी मूकता बुलाय आप बोलिहै।

(ग) सियरि अगिनि बिरहिनि हिय जारा। सुलगि सुलगि दगधै भै छारा॥
यह दुख दगध न जानै कंतू। जोबन जरम करै भसमंतू॥
पिय सौं कहेहु सँदेसरा ए भँवरा ए काग
सो धनि बिरहें जरि मुई तेहिक धुआँ हम लाग॥

10. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 5

(क) यदि समाज में मानव-संबंध वही होते जो कवि चाहता है, तो शायद उसे प्रजापति बनने की ज़रूरत न पड़ती। उसके असंतोष की जड़ ये मानव-संबंध ही हैं। मानव-संबंधों से परे साहित्य नहीं है। कवि जब विधाता पर साहित्य रचता है, तब उसे भी मानव-संबंधों की परिधि में खींच लाता है।

(ख) एक भरे-पूरे ग्रामीण अंचल को कितनी नासमझी और निर्ममता से उजाड़ा जा सकता है, सिंगरौली इसका ज्वलंत उदाहरण है। अगर यह इलाका उजाड़ रेगिस्तान होते तो शायद इतना क्षोभ नहीं होता, किंतु सिंगरौली की भूमि इतनी उर्वरा और जंगल इतने समृद्ध हैं कि उनके सहारे शताब्दियों से हज़ारों बनवासी और किसान अपना भरण-पोषण करते हुए आए हैं।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 3 × 2 = 6

(क) बचपन में लेखक के मन में भारतेंदु जी के प्रति कैसी भावना थी?

(ख) पसोवा की प्रसिद्धि का क्या कारण था और लेखक वहाँ क्यों जाना चाहता था?

(ग) लेखक ने किस घटना की तुलना द्रौपदी के चीरहरण से की है और क्यों?

12. 'रामविलास शर्मा' अथवा 'निर्मल वर्मा' का साहित्यिक परिचय दीजिए। 5

अथवा

तुलसीदास अथवा जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय दीजिए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लिखिए— 4

(क) 'अपना मालवा' पाठ में 'खाऊ-उजाड़ू' सभ्यता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

अथवा

(ख) खाऊ-उजाड़ू सभ्यता से क्या तात्पर्य है? वर्तमान समय में देश पर इसका क्या प्रभाव पड़ रहा है?

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर अंतराल (भाग-दो) के आधार पर दीजिए — 4 × 2 = 8

(क) सूरदास उठ खड़ा हुआ और विजय गर्व की तरंग में राख के ढेर को दोनों हाथों से उड़ाने लगा। इस कथन के संदर्भ में सूरदास की मनोदशा का वर्णन कीजिए।

(ख) शैला और भूप ने किस प्रकार पहाड़ पर अपनी मेहनत से नई ज़िंदगी शुरू की?

(ग) 'आरोहण' कहानी की मूल समस्या क्या है?